राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता के लिए समर्पित

युवा-शक्ति के प्रतीक युवा-शक्ति के प्रेरणा-सूत्र

"कायर अथवा निर्बल ही केवल अपने भाग्य पर
निर्भर रहते हैं साहसी व्यक्ति ही स्वयं उठते हैं
एवम् अपने भाग्य का निर्माण करते हैं।"

"उठो - जागो एवम् लक्ष्य की प्राप्ति तक प्रयत्नशील रहो।"

- स्वामी विवेकानन्द

एम.टी.सी. प्रिन्टर्स

मिर्धान स्ट्रीट, बड़ा बाजार, बरेली

9359100259, 9760700259, 9760943236

E-mail : akansh134@gmail.com
mtcprinters@gmail.com

शत् शत् प्रणाम

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना
NATIONAL SERVICE SCHEME

स्वयं सेवक कार्य दैनन्दिनी

युवा कार्यक्रम एवं खेल मन्त्रालय

युवा कार्य एवं खेल विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

INTERNATIONAL AND NATIONAL DAY/ WEEKS TO BE OBSERVED BY NATIONAL SERVICE SCHEME

DAYS

01.	National Youth Day	12th January
02.	Republic Day	26th January
03.	Martyr Day	30th January
04.	International Women's Day	8th March
05.	World Health Day	7th April
06.	Anti-Terrorisum Day	21th May
07.	World No Tobacco Day	31th May
08.	World Environment Day	5th June
09.	World Population Day	11th July
10.	Independence Day	15th August
11.	Sadbhavana Day	20th August
12.	International Literacy Day	8th September
13.	International Peace Day	15th September
14.	NSS Day	24th September
15.	National Blood Donation Day	1st October
16.	Communal Harmony Day	2nd October
17.	National Integration Day	19th November
18.	World AIDS Day	1st December
19.	World Human Right Day	10th December

Weeks

01.	National Youth Week	12-19 January
02.	Van Mahotsava	1-7 July
03.	International Literacy Week	8-14 July
04.	Quami Ekta Week	19-25 November

विश्वविद्यालय.....

महाविद्यालय का नाम.....

वैयक्तिक विवरण सत्र.....

नाम.....

जन्मतिथि.....

कक्षा.....विभाग.....

रा.से.यो.में प्रवेश का वर्ष.....

रा.से.यो. इकाई क्रमांक.....दलक्रमांक.....

स्थानीय पता.....

.....

पिता/अभिभावक का नाम.....

व्यवसाय.....

स्थाई पता.....

.....

स्वयं सेवक का रक्त ग्रुप.....

कार्यक्रम अधि. के हस्ताक्षर स्वयंसेवी के हस्ताक्षर

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

विश्वास

लोगों के जीवन को उन्नतिशील बनाने हेतु जब तुम उन्हें उत्तरदायित्व सौंपते हो, जब तुम उनमें आत्मविश्वास उत्पन्न करते हो, जिसके अभाव में वे कुछ भी नहीं हैं। जब उनमें आत्मविश्वास उत्पन्न हो जाता है तब वे अति कठिन परिस्थितियों में भी जूझकर उनका समाधान कर सकते हैं और उनमें यह आत्मविश्वास जाग्रत करने के लिये आवश्यक है कि तुम्हें उनकी राष्ट्र निर्माण की शक्ति पर पूरा भरोसा हो। विश्वास से विश्वास उपजता है और प्रजातन्त्र तब पनपता है जब समस्त जन समुदाय विशेष कर समाज के कमजोर वर्गो के लोग पूरी तरह तथ्य को स्वीकार करें।

----स्वामी विवेकानन्द

राष्ट्रीय सेवा योजना

युवा कार्यक्रम एवम् खेल मन्त्रालय

युवाकार्य एवम् खेल विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा

प्रायोजित कार्यक्रम

M.T.C. PRINTERS

Mirdhan Street, Bara Bazar, Bareilly-243001

Mobile- 9359100259, 9760943236

राष्ट्रीय सेवा योजना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

स्वतन्त्रता प्राप्ति के प्रारम्भ से ही छात्रों को राष्ट्रीय सेवा के प्रति जागरुक करने का प्रयत्न होता रहा है। सन् 1950 में प्रथम शिक्षा आयोग ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा के लिए भावना के आधार पर प्रवेश के लिए संस्तुति की। इसके साथ ही तत्कालीन प्रधानमंत्री पं0 जवाहरलाल नेहरु के सुझाव पर डॉ0सी0डी0 देशमुख की अध्यक्षता में एक आयोग बनाया गया जिसका उद्देश्य छात्रों को स्नातक कक्षाओं में प्रवेश से पूर्व राष्ट्रीय सेवा अनिवार्य रूप से करनी थी। प्रो0 के0जी0 सैउद्दीन जो विभिन्न देशों में युवाओं की राष्ट्रीय सेवा का अध्ययन कर चुके थे,उनका कहना था कि राष्ट्रीय सेवा स्वयंसेवकों के आधार पर प्रारम्भ की जानी चाहिये। इसी प्रकार का सुझाव शिक्षा आयोग के अध्यक्ष डॉ0 डी0 एस0 कोठारी ने भी दिया।

अप्रैल,1967 में विभिन्न राज्यों के शिक्षा मंत्रियों की बैठक में कहा गया कि छात्रों को एन.सी.सी. में (जो कि प्रारम्भ से ही थी) अथवा एक नवीन कार्यक्रम जो राष्ट्रीय सेवा योजना के नाम से बनाया गया था,भाग ले सकते हैं। मेधावी खिलाड़ी इन योजनाओं से मुक्त रहेंगे और यह एक अन्य योजना राष्ट्रीय खेलकूद संगठन में भाग ले सकते हैं ताकि खेलकूद के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा सके।

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

सितम्बर 1967 में उपकुलपतियों के एक सम्मेलन में प्रस्तावों का स्वागत किया गया एवं सुझाव दिया गया कि उपकुलपतियों की एक विशेष समिति बनाई जाए जो इसके बारे में विस्तार से विचार कर सके। इसके परिणामस्वरूप योजना आयोग द्वारा पांच करोड़ रुपये चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में राष्ट्रीय सेवा योजना को अनुदान दिया गया जिससे चयनित विद्यालयों एवं अन्य शिक्षा संस्थानों में प्रयोग के आधार पर उसे प्रारम्भ किया गया।

इसके पश्चात सत्र 69–70 में शिक्षा मंत्रालय द्वारा समस्त स्नातक कक्षाओं में राष्ट्रीय सेवा योजना को प्रारमभ किया गया। यह संयोग रहा कि वर्ष 1969 जो कि समाजसेवी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का शताब्दी वर्ष भी था जिसमें इस योजना को प्रारमभ किया गया।

योजना के प्रति छात्रों की प्रतिक्रिया बहुत शानदार रही है। सन् 1969 में रा0से0यो0 की शुरुआत 40,000 विद्यार्थियों से हुई। यह संख्या प्रतिवर्ष बढ़ती रही एवं वर्तमान में केवल उ0प्र0 में 1,97,000 तथा सम्पूर्ण भारत में 29 लाख से अधिक पहुँच गई है।

इस समय योजना का विस्तार सभी राज्यों और देश के सभी विश्वविद्यालयों में हो गया है। छात्र–अध्यापक,माता–पिता,अभिभावक, सरकार, विश्वविद्यालयों और कालेजों में काम करने वाले अधिकारी तथा सामान्य नागरिक अब राष्ट्रीय सेवा योजना की आवश्यकता और उसकी उपादेयता में जागरुकता आई है। वे जनता की कठिनाइयों को अच्छी तरह समझने लगे हैं और उनका विश्लेषण करने लगे हैं। इस प्रकार राष्ट्रीय सेवा योजना शिक्षा को समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने में एक ठोस प्रयास है। रासेयो की कुछ इकाईयों ने अपने शानदार कार्य और अनुकरणीय आचरण से मिसाल कायम की है जिससे समाज ने उन्हें आदर दिया है

और उनमें अपना विश्वास व्यक्त किया है। अकाल के मुकाबले में युवा(1973) गन्दगी और बीमारी के विरुद्ध युवा (1974–75) "वन रोपण और पेड़ लगाने के लिए युवा" (1975) "आर्थिक विकास के लिए युवा" और युवा ग्रामीण पुनर्निर्माण के लिए"(1976–77)और उससे आगे के विषयों के अन्तर्गत सत्र 2003–04 से, **"स्वच्छता के लिए युवा"** विशेष शिविर आयोजित किये गये, जिनका परिणाम समाज और छात्र वर्ग दोनों के लिए लाभदायक सिद्ध हुआ है। विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा की गयी समाज सेवा के अन्तर्गत कई पहलू जैसे गहन उत्थान कार्य के लिए ग्रामों का ग्रहण, चिकित्सा, समाज सर्वेक्षण, चिकित्सा केन्द्रों की स्थापना, जन प्रतिरक्षण कार्यक्रम, स्वास्थ्य रक्षा के संगठित प्रयत्न, समाज के कमजोर वर्ग के लिए प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम,रक्तदान, अस्पताल जाकर रोगियों की मदद करना, अनाथों और शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को गृहसदस्य बनाना आदि समाविष्ट हो गये हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने आन्ध्र प्रदेश, गुजरात और तमिलनाडु में तूफान पीड़ितों की सहायता करके, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, बिहार,उ0प्र0 और दिल्ली में बाढ़ के दौरान महाराष्ट्र मध्य प्रदेश और राजस्थान में सूखे के दौरान लोगों की सहायता करके प्रशंसनीय कार्य किया है। रा.से.यो. के स्वयं सेवकों को दिसम्बर, 1984में भोपाल में जो गैस दुर्घटना हो गयी थी,उस दौरान गैस पीड़ितों को राहत पहुँचाने में सक्रिय भूमिका अदा की। रा.से.यो. के छात्रों ने सामाजिक बुराईयां के उन्मूलन में और राष्ट्रीय स्तर पर मान्य लक्ष्यों जैसे भारतीयता में गर्व महसूस करना, स्वतन्त्रता, समाजवाद, धर्म–निर्पेक्षता, राष्ट्रीय एकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास के अभियान में भी उपयोगी कार्य किया है।

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

प्रस्तावित विचार

जो कार्यक्रम पिछले 16 वर्ष से प्रवर्तन में रहा है और जिसका परिणाम व गुण दोनों दृष्टियों से विस्तार हुआ है, उसका सातवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में मूल्यांकन करने के लिये ओर आगे उसमें और सुधार लाने के विचार से अगस्त, 1984 में सरकार द्वारा गठित पुनर्निरीक्षण समिति ने पुनर्निरीक्षण किया। इस समिति ने जो महत्वपूर्ण सुझाव दिये उनमें एक महत्वपूर्ण सुझाव यह था कि रा.से.यो. के कार्यक्रम से बहुत बड़ी सम्भावनाएँ हैं अतः इसे जारी रखा जाना चाहिए ओर इसका विस्तार किया जाना चाहिए। समिति ने यह भी सिफारिश की थी कि क्योंकि वर्ष 1984–85 में रा.से.यो. के अन्तर्गत 6.10 लाख छात्र सम्मिलित हुए, इस आधार पर सातवीं पंचवर्षीय योजना के प्रत्येक वर्ष में योजना के अधीन छात्रों को समाविष्ट कर लेने की दर 10: रख लेने से यह आशा की जा सकती है कि वर्ष 2000–01 तक 40 लाख विद्यार्थी इसमें शामिल हो चुके हैं। समिति की यह सिफारिश सरकार ने स्वीकार कर ली है और दसवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक कार्यक्रम के अन्तर्गत 50 लाख विद्यार्थियों को शामिल करने का लक्ष्य प्राप्त किया जाना है। मूलतः योजना स्नातक स्तर के छात्रों के लिए होगी परन्तु स्नातकोत्तर छात्र भी इसमें भाग ले सकेंगे। जिन विश्वविद्यालयों में छात्र दूसरे विश्वविद्यालयों की तुलना में कम सम्मिलित हो रहे हैं उनकी संख्या में वृद्धि के प्रयास किये जा रहे हैं। इस कार्य के लिए राज्य सरकारों से आशा की जाती है कि वे अपने बजट में रा.से.यो. के अधीन प्रत्येक वर्ष जो 10% की वृद्धि की जायेगी उसके खर्च वहन करने के लिए आवश्यक प्रावधान बना लें।

सिद्धान्त वाक्य

राष्ट्रीय सेवा योजना का सिद्धान्त वाक्य अथवा प्रत्यवचन है मुझको नहीं तुमको। यह सिद्धान्त वाक्य प्रजातांत्रिक ढंग से रहने का सार बताता है, निःस्वार्थ सेवा की आवश्यकता का समर्थन करता है। यह बताता है कि हम दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण की सराहना करने वाले बनें तथा सजातीय मनुष्यों के लिए सहानुभूति रखें। यह घोषणा करता है कि व्यक्ति का कल्याण अन्तिम रूप से सम्पूर्ण समाज का कल्याण होने पर ही निर्भर करता है इसलिए रा.से.यो. प्रतिनिधि का लक्ष्य यह होना चाहिए कि इस सिद्धान्त वाक्य का प्रदर्शन व अपने दैनिक कार्यक्रम में करे ।

समाज को आपसे नहीं, आपकी दौलत से प्यार है। दौलत वह नहीं जो आपने अर्जित की है बल्कि वह जिसके द्वारा अर्जित की है। वह आपके अन्तःकरण में ही निहित है। जिसे लोग बौद्धिक क्षमता के रूप में जानते हैं ।

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

रा.से.यो. का प्रतीक चिह्न

राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रतीक चिह्न उड़ीसा के कोणार्क सूर्य मन्दिर के रथ चक्र पर आधारित है। सूर्य मन्दिर के ये विशाल चक्र सृजन, संरक्षण और निर्मुक्ति के आवर्तन को अभिव्यक्त करते हैं तथा काल और स्थान से परे जीवन में गति का महत्व बताते हैं। प्रतीक का अभिकल्प सूर्य रथ के चक्र का सरलीकृत रूप है, मुख्यतः गति को दर्शाता है। चक्र जीवन के प्रगतिशील चक्र को व्यक्त करता है। यह निरन्तरता का और साथ ही परिवर्तन का भी प्रतीक है और रा.से.यो. को समाज में परिवर्तन लाने और उसे उन्नत करने के लिए निरन्तर आगे बढ़ने के लिए प्रयास करने का द्योतक है।

- सफलताओं का श्रेय उदारतापूर्वक दूसरों को देते हुए अपने उत्तरदायित्वों का वहन करो।
- अपने प्रयासों एवं कार्यों के परिणाम की धैर्य से प्रतीक्षा करो
- कड़ी मेहनत ही सफलता की कुँजी है।
- परिवार के प्रत्येक सदस्य की क्षमताओं का उपयोग तदानुसार करो, वे सब ही तुम्हारी शक्ति के स्रोत हैं ।
- आप जहाँ भी जायेंगे हर जगह आपको ना मिलेगी, हर ना को हाँ में बदलना ही आपकी योग्यता का प्रमाण है ।

राष्ट्रीय सेवा योजना का बैज

रा.से.यो. का प्रतीक चिह्न रा.से.यो. के बैज पर उत्कीर्ण है। रा.से.यो. के स्वयंसेवक समाज की सेवा के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेते हुए इसे लगाते हैं। कोणार्क के सूर्य मन्दिर के रथ में 24 पहिये हैं जो सम्पूर्ण दिन के 24 घण्टों का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रत्येक पहिये में 8 तीलियाँ हैं जो 8 पहर दर्शाते हैं। इसलिए जो व्यक्ति इस बैज को धारण करता है उसे यह बैज याद दिलाता है कि वह राष्ट्र सेवा के लिए दिन–रात अर्थात् 24 घंटे (आठों प्रहर) तत्पर रहे। बैज में जो लाल रंग है वह इस बात का संकेत करता है कि रा.से.यो. के स्वयंसेवकों में पूरा उत्साह है और वे जीवंत हैं, सक्रिय हैं और उनमें स्फूर्ति है। गहरा नीला रंग उस ब्रह्माण्ड की ओर संकेत करता है जिसका रा.से.यो. एक छोटा सा अंश है और जो मानव मात्र का कल्याण करने के लिए अपना अंशदान करने को तैयार है।

साधारण स्तर के जीवन यापन के लिए प्रातः 10.00 से सायं 6.00 बजे तक कार्य करना आपकी आवश्यकताओं के लिए संतोषजनक है किन्तु जीवन में यदि कुछ कर दिखाना चाहते हैं तो प्रातः 6 से रात्रि 10 बजे तक कार्य करना सीखो।

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य

राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य

समाज सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास

राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य

1. लोगों के साथ मिलकर कार्य करना।
2. स्वयं को सृजनात्मक और रचनात्मक सामाजिक कार्यों में प्रवृत्त करना
3. स्वयं तथा समुदाय की ज्ञान वृद्धि करना।
4. समस्याओं को कुछ न कुछ हल करने में स्वयं की प्रतिभा का व्यावहारिक उपयोग करना।
5. प्रजातांत्रिक नेतृत्व को क्रियान्वित करने में दक्षता प्राप्त करना।
6. स्वयं को रोजगार के योग्य बनाने के लिए कार्यक्रम विकास में दक्षता प्राप्त करना।
7. शिक्षित और अशिक्षितों के बीच की दूरी को मिटाना।
8. समुदाय के कमजोर वर्ग की सेवा के लिए स्वयं में इच्छाएँ जागृत करना।

- समस्याओं के समाधान हेतु मध्य मार्ग अपनाना,सदैव हितकर होता है।
- व्यक्ति की क्षमता का आंकलन करने के बाद ही उसको तदनुसार जिम्मेदारियाँ सौंपनी चाहिए। यदि व्यक्ति असफल होता है तो इसे अपनी असफलता मानो।
- नेतृत्व करो किसी के नेतृत्व में, –स्वयं सेवक बनो – स्वयं सेवक बनाओ।
- अपने लिए छाँव रखो, दूसरों को छाँव दो।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवक

जिस किसी भी छात्र का नाम रा.से.यो. स्वयं सेवक के रूप में लिखा गया हो उसे एक वर्ष में न्यूनतम 120 घंटे के लिए समाज कार्य में रखने के हिसाब से निरन्तर दो वर्ष की अवधि के लिए अर्थात् 240 घंटे के लिए कार्य करना होता है तथा विशेष शिविर दस दिवसीय होता है । उसे रा. से.यो. के कार्यक्रमों में पूरी तरह भाग लेना चाहिए और रा.से.यो. के उद्देश्यों से अच्छी तरह परिचित हो जाना चाहिए। छात्र से एक वर्ष के दौरान जो 120 घंटों के लिए सेवा करने की आशा की जाती है उसमें से प्रथम वर्ष में वह न्यूनतम 20 घंटे तो स्थापन पूर्व अभिविन्यास कार्यक्रम के लिए निम्नलिखित रूप से लगाएँ –

1.	सामान्य अभिविन्यास	2 घंटे
2.	विशेष अभिविन्यास	8 घंटे
3.	कार्यक्रम के कौशल को सीखना	10 से 20 घंटे

रा.से.यो. स्वयं सेवक के कर्तव्य

1. परियोजना क्षेत्र में व्यक्तियों के साथ सम्पर्क स्थापित करें।
2. समाज की आवश्यकताओं, कठिनाईयों और उपलब्ध साधनों का पता लगाएँ।
3. कार्यक्रमों की योजना बनाना और उन्हें कार्यान्वित करना।
4. जिन समस्याओं का पता लग जाए उनके समाधान खोजने की दिशा में अपने ज्ञान और अनुभव को लगाना।

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

5. अपनी डायरी में क्रियाकलापों को व्यवस्थित रूप से दर्ज करना और प्रगति का आवधिक रूप से आंकलन करना और जिस तरह के परिवर्तन करने की आवश्यकता हो, उन्हें प्रभावी बनाना।

रा0से0यो0 स्वयं सेवकों के लिए आचार संहिता

1. सभी स्वयंसेवक कार्यक्रम अधिकारी द्वारा नामित किये गये समूह के नेता के मार्गदर्शन में कार्य करेंगे।
2. वे अपने को समूह/समाज के नेतृत्व के विश्वासभाजन और सहयोगी बनने के अनुकूल बनायेंगे।
3. वे इस बात की अत्यधिक सावधानी रखेंगे कि किसी विवादास्पद विषय में न फँसे।
4. वे डायरी के संलग्न पृष्ठों में अपनी दैनिक गतिविधियों/अनुभवों का रिकार्ड रखेंगे और उसे आवधिक मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए समूह के नेता/कार्यक्रम अधिकारी को प्रस्तुत करेंगे।
5. प्रत्येक स्वयंसेवक रा.से.यो. का कार्य करते समय बैज अनिवार्यतः लगायेगा।

---

* सेवा योजना की सफलता का वास्तविक प्रतिशत लाभ वह है जो उस सेवा योजना द्वारा समाज के निर्बल वर्ग को प्राप्त होता है।
* आप अपनी योग्यता का मापदण्ड वह मानते हैं जो आप कर सकते हैं जब कि अन्य लोग आपकी योग्यता का मापदण्ड वह मानते हैं जो आपने किया है।
* चरित्र एक वृक्ष के समान है और यश उस वृक्ष की छाया के समान। छायारूपी यश बना रहे इसके लिए चरित्र रूपी वृक्ष को सींचते रहो।

सुझाई गई गतिविधियों की सूची

(1) शिक्षा और मनोरंजन (1)

0101 कार्यात्मक साक्षरत
0102 शालेय शिक्षा
0103 शाला छोड़ने वाले बच्चो की शिक्षा
0104 बाल गृहों में कार्य
0105 शाला और बालवाड़ी चलाना,शालेय पौष्टिक आहार कार्यक्रम
0106 शाला प्रवेश कार्यक्रम
0107 शाला पुस्तकालय और बुक बैंक
0108 सांस्कृतिक गतिविधियाँ
0109 युवा क्लब, ग्रामीण एवं स्थानीय खेल
0110 सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के लिए चर्चा
0111 समूह गीत
0112 जागरुकता कार्यक्रम
0113 अन्य गतिविधियाँ

(2) आपातकाल में किये जाने वाले कार्यक्रम (2)

0201 आवश्यक वस्तुओं के वितरण में अधिकारियों को सहयोग
0202 टीका लगाने, दवाईयों के वितरण एवं अन्य सम्बन्धित गतिविधियों में स्वास्थ्य अधिकारियों को सहयोग
0203 स्थानीय अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य में सहयोग
0204 स्थानीय लोगों को पुनः निर्माण में सहयोग
0205 स्थानीय प्रभावित लोगों के लिए दान एवं कपड़े एकत्र कर वितरण करना
0206 अन्य गतिविधियाँ

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

(3)पर्यावरण संवर्धन तथा परिरक्षण (3)

0301 ऐतिहासिक स्मारकों को संभालना तथा उनकी देखरेख, सांस्कृतिक विरासत को संभालने के बारे में जागरुकता पैदा करना, मन्दिरों का नवीनीकरण,
0302 पर्यावरण स्वच्छता एवं कूड़ा–करकट हटाना, खाद बनाना,
0303 सड़कें, गाँव की गलियाँ और नालियाँ बनाना एवं उनकी सफाई करना और पर्यावरण की सफाई करना,
0304 साफ–सुथरे संडासों और मूत्रालयों का निर्माण,
0305 ग्रामीण तालाबों एवं कुओं की सफाई
0306 पौधों के प्रति जागरुकता पैदा करना
0307 पौधे लगाना तथा वृक्षों की साज सम्हाल तथा देखरेख
0308 भूमिक्षरण की रोकथाम और भूमि परिरक्षण के लिये कार्य,
0309 गोबर गैस संयत्रों का निर्माण और उन्हें लोकप्रिय बनाना,
0310 वृक्षारोपण पूर्व कार्य,
0311 पार्कों का निर्माण,
0312 पर्यावरण की समस्याओं के बारे में समुदाय में जागरुकता पैदा करना,
0313 जंगलों और जंगली जानवरों की सुरक्षा के बारे में लोगों को जानकारी देना,
0314 सौर ऊर्जा गैस चूल्हों को लोकप्रिय बनाना,
0315 गन्दी बस्तियों में सफाई,
0316 अन्य गतिविधियाँ।

(4) स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा आहार पोषण कार्यक्रम

0401 सामूहिक टीके लगाने का कार्यक्रम
0402 आहार पोषण कार्यक्रम के लोगों के साथ कार्य करना,
0403 व्योधिक (**Pathological**) जाँच।

0404 सुरक्षित तथा स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की व्यवस्था,
0405 एकीकृत बाल विकास कार्यक्रम
0406 स्वास्थ्य शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य की देखभाल
0407 जनसंख्या शिक्षा और परिवार कल्याण,
0408 रक्तदान शिविर,
0409 मरीजों को सहायता,
0410 अनाथों और वयोवृद्ध व्यक्तियों को सहायता,
0411 शारीरिक विकलांगों एवं दिमागी तौर पर कमजोर व्यक्तियों को सहायता
0412 चिकित्सा केन्द्रों की स्थापना
0413 मेडिको सौंसर सर्वेक्षण,
0414 औषधालयों को चलाने में सहायता,
0415 नशीली दवाईयों के विरुद्ध अभियान,
0416 अन्य गतिविधियाँ।

(5)उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रम (5)

0501 उन्नत कृषि के तरीकों की जानकारी,
0502 चूहा नियन्त्रण तथा कीट नियन्त्रण,
0503 घास–पात नियन्त्रण,
0504 भूमि परीक्षण और भूमि स्वास्थ्य की देखभाल,
0505 कृषि यन्त्रों की मरम्मत में सहायता,
0506 ग्रामों में सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण और उनके प्रोत्साहन के लिए कार्य,
0507 मुर्गी पालन,पशु पालन,पशु स्वास्थ्य के बारे में सहायता और मार्गदर्शन
0508 अच्छे बीजों और संकर बीजों के उपयोग के बारे में जागरुकता,
0509 अन्य गतिविधियाँ ।

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

(6) समाज सेवा कार्यक्रम (6)

0601 महिला कल्याण संगठनों में कार्य
0602 महिलाओं को बुनाई, सिलाई,कढ़ाई का प्रशिक्षण,
0603 महिलाओं को उनके अधिकारों का उपयोग करने की जागरुकता प्रदान करना,
0604 ग्राम गोद लेना
0605 सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण कार्य,
0606 गन्दी बस्तियों में समाज सेवा,
0607 ग्राम विकास बैंकों की भूमिका के सम्बन्ध में जनचेतना जागृत करना

(7) प्रदूषण रहित पर्यावरण का परिरक्षण (7)

0701 नदियों की सफाई,
0702 पानी का विश्लेषण,

(8) अन्य गतिविधियाँ जो स्थानीय आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के आधार पर की जायें (8)

– प्रशंसा और पुरस्कार बिना मांगे मिलें तभी अच्छे लगते हैं।
– ईमानदार होने का अर्थ है, हजारों मनकों में अलग–अलग चमकने वाला हीरा।
– उत्तम संग और मधुर भाषण सद्गुण के स्तम्भ हैं।
– उद्देश्यपूर्ण कार्य में लगे रहिये, यश स्वयं आपके पास आयेगा।
– भूलने की आदत को त्यागने का प्रयास करें।
– दूसरों के साथ वह व्यवहार न करो, जो तुम्हें अपने लिये पसन्द नहीं।
– अनुशासित एवं विनम्र दिलों में राज्य करते हैं।
– साहस और दृढ़ता से अपना मार्ग प्रशस्त करो।

बदलेंगे तस्वीर

बदलेंगे तस्वीर गाँव की हम एन.एस.एस. के नौजवान ।
आओ राष्ट्र की सेवा करेंगे हम एन.एस.एस. के नौजवान ।।

हरित क्रांति के अग्रदूत हैं
हम धरती माँ के सपूत हैं
गौतम –गांधी के वंशज हैं–
विश्व शांति की लिये मशाल। बदलेंगे तस्वीर.....

अज्ञान अंधेरा भगाये
साक्षरता अभियान चलायें
पंचशील के बल पर लायें
नव युग नया सवेरा । बदलेंगे तस्वीर.....

मतभेद को दूर करेंगे
केवल इंसान बनेंगे
मेहनत से शृंगार करेंगे
नई सदी का हम । बदलेंगे तस्वीर.....

सह–अस्तित्व हमारा नारा
है प्रेम हमारा बल
आज से ज्यादा सुन्दर होगा –
आने वाला कल ।। बदलेंगे तस्वीर.....
जय जवान। जय किसान ।।

डॉ0 अजीत रायजादा
आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा (म0प्र0)

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

शिविर की दिनचर्या

6.00 बजे सुबह	जागरण
6.00 से 6.45	नित्य क्रिया
6.45 से 7.15	प्रार्थना, व्यायाम
7.15 से 7.45	नास्ता, चाय
7.45 से 11.30	परियोजना कार्य
11.30 से 12.30	स्नान
12.30 से 1.30	भोजन
1.30 से 2.30	विश्राम
2.30 से 4.15	बौद्धिक कार्यक्रम
4.15 से 4.30	चाय
4.30 से 6.00	खेलकूद एवं ग्राम सम्पर्क
6.3. से 6.30	अवकाश
6.30 से 7.00	समितियों की बैठक एवं कार्यो का मूल्यांकन–संकलन
7.00 से 8.00	भोजन
8.00 से 10.00	सांस्कृतिक कार्यक्रम
10.00 बजे रात्रि	शयन

– जो जैसा सोचता है और करता है वह वैसा ही बन जाता है।

– तभी बोलिये जब लोग आपकी बात सुनने को तैयार हों, अन्यथा चुप रहिये।

– अपनी गुप्त बात, यदि कोई हो तो कभी किसी से मत कहो।

कार्य अभिलेख नियमित गतिविधियाँ

दिनांक	स्थान	विवरण	कार्य/ घण्टे

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

ह0 कार्यक्रम अधिकारी ह0 स्वयं सेवक

कार्य अभिलेख नियमित गतिविधियाँ

दिनांक	स्थान	विवरण	कार्य/ घण्टे

ह0 कार्यक्रम अधिकारी

ह0 स्वयं सेवक

कार्य अभिलेख नियमित गतिविधियाँ

दिनांक	स्थान	विवरण	कार्य/ घण्टे

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

ह0 कार्यक्रम अधिकारी

ह0 स्वयं सेवक

लक्ष्य गीत

उठें समाज के लिए, उठें, उठें–2,
जगें स्वराष्ट्र के लिये, जगें, जगें

स्वयं सजें, वसुन्धरा संवार दें–2

हम उठें, उठेगा जग, हमारे संग साथियों,
हम बढ़ें, तो सब बढ़ेंगे, अपने आप साथियों,
जमीं पे आसमान को उतार दें–2

स्वयं सजें, वसुन्धरा संवार दें, उठें.....

उदासियों को दूर कर, खुशी को बाँटते चलें
गाँव और शहर की दूरियों को पाटते चलें
ज्ञान को प्रचार दें, प्रसार दें
विज्ञान को प्रचार दे, प्रसार दें।

स्वयं सजें, वसुन्धरा संवार दें, उठें....

समर्थ बाल वृद्ध और नारियाँ रहे सदा
हरे भरे वनों की शाल ओढ़ती रहे धरा
तरक्कियों की एक नई कतार दें

स्वयं सजें, वसुन्धरा संवार दें, उठें.....

ये जाति–धर्म–बोलियाँ, बनें न शूल राह की,
बढ़ायें बेल प्रेम की, अखण्डता की चाह की,
भावना से यह चमन निखार दें,
सद्भावना से यह चमन निखार दें ।

स्वयं सजें, वसुन्धरा संवार दें, उठें....

उठें समाज के लिए, उठें, उठें–2
जगें स्वराष्ट्र के लिये, जगें, जगें

स्वयं सजें, वसुन्धरा संवार दें–2

राष्ट्रीय सेवा योजना

दिशा देगी युवक को राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्रीय सेवा योजना
पाठ श्रम का सिखायेगी, और सेवा भावना
योजना राष्ट्र की, राष्ट्रीय सेवा योजना
दिशा देगी युवक को राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्रीय सेवा योजना।

सत्य का संकल्प लेकर, शान्ति का सन्देश देकर
भरे भारतवासियों में, प्रगति की शुभ कामना
योजना राष्ट्र की, राष्ट्रीय सेवा योजना
दिशा देगी युवक को राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्रीय सेवा योजना।

जाति भाषा धर्म के अब भेद त्याग मिलकर चलें सब
धरा पर ही स्वर्ग की, होगी तभी अवधारणा
योजना राष्ट्र की, राष्ट्रीय सेवा योजना
दिशा देगी युवक को राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्रीय सेवा योजना।

भ्रम घटायेगा न इज्जत,श्रम युवक की सही दौलत
हाथ मैले हों मगर,, मन को सदा उजला बना
योजना राष्ट्र की, राष्ट्रीय सेवा योजना
दिशा देगी युवक को राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्रीय सेवा योजना।

उठें धरती की तरुण जन, करें तन–मन–धन समर्पण
राष्ट्र नव निर्माण की, हो आज मन में कल्पना
योजना राष्ट्र की, राष्ट्रीय सेवा योजना
दिशा देगी युवक को राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्रीय सेवा योजना।

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

विशेष शिविर

रा.से.यो. के विशेष शिविर में शिविर अनुभव भी अपना एक विशेष महत्व रखता है। जो विश्वविद्यालय स्तर पर ग्रीष्मावकाश और शीतावकाश में ग्रामीण क्षेत्रों/शहरी गन्दी बस्तियों/हरिजन बस्तियों में 10 दिन की अवधि का होता है। साधारणतया शिविर में 40–50 छात्र–छात्राएँ होते हैं। उच्च स्तरीय इण्टर कालेजों एवं राज्य स्तरीय शिविरों का भी समय–समय पर आयोजन किया जाता है।

शिविर में भाग लेने वाले प्रतिभागी शिविर जीवन का आनन्द लेते हैं, एक अच्छे नागरिक के कर्तव्य अनुभव करते हैं एवं समाज के लिए क्या सेवा कर सकते हैं, इसका ज्ञान प्राप्त करते हैं।

"मैं नहीं तू"

स्वर्ग और नर्क की, चिन्ता को छोड़कर
अपने स्व और अहम् को भूलकर
केवल तुझे याद कर
धर्म सम्प्रदाय की विधाओं को छोड़कर
अशिक्षा, दरिद्रता, शोषण को दूर
पीड़ित मानवता की सेवा में,
बुद्ध की भाँति, जीवन उत्सर्ग हेतु
प्रयाण है – नव प्रभात को,
आदि है यह –
अन्त है
अन्त तक ।

– स्वामी विवेकानन्द

राष्ट्रीय सेवा योजना

क्रमांक दिन/दिनांक	कार्य विवरण
प्रथम	
द्वितीय	
तृतीय	
चतुर्थ	
पंचम्	
शिविर स्थल	

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

राष्ट्रीय सेवा योजना

क्रमांक दिन/दिनांक	कार्य विवरण
षष्ठ	
सप्तम	
अष्टम	
नवम्	
दशम्	
शिविर स्थल	

कार्य अभिलेख (विशेष शिविर)

अनुभव कठिनाईयाँ एवं सुझाव	हस्ताक्षर स्वयं सेवक	हस्ताक्षर कार्य.अधि.

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

कार्य अभिलेख (विशेष शिविर)

अनुभव कठिनाईयाँ एवं सुझाव	हस्ताक्षर स्वयं सेवक	हस्ताक्षर कार्य.अधि.

कार्य अभिलेख (विशेष शिविर)

अनुभव कठिनाईयाँ एवं सुझाव	हस्ताक्षर स्वयं सेवक	हस्ताक्षर कार्य.अधि.

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

आराम हराम है

आराम हराम है, काम करो काम करो ।
ये नया पैगाम है, काम करो काम करो ।।
सुबह करो शाम करो, काम करो, काम करो ।
ऊँचा हिमालय है गहरा है सागर,
गहरा है सागर.....
नदियों का जल बिछा, रत्नों की गागर,
रत्नों.....
मिट्टी में सोना, खाद्यानों में हीरा
ऐसे भारत को न बदनाम करो,
काम करो .....
अपने को समझो, अपने को जानो,
अपने को.....
मेहनत की ताकत को, अब तो पहचानो,
अब तो .....
मेहनत का बदला, ये मिलकर रहेगा,
बढ़–बढ़ के मुश्किल, आसान करो,
काम करो .....

रा.से.यो. वार्षिक गतिविधि कालदर्शक

क्रमांक	उत्सव विवरण	तिथि एवं माह
1.	राष्ट्रीय युवा दिवस	12 जनवरी
2.	राष्ट्रीय युवा सप्ताह	12 से 19 जनवरी
3.	राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस	24 सितम्बर
4.	गणतन्त्र दिवस	26 जनवरी
5.	महिला दिवस	8 मार्च
6.	विश्व वन दिवस	21 मार्च
7.	विश्व स्वास्थ्य दिवस	7 अप्रैल
8.	अग्नि शमन दिवस	14 अप्रैल
9.	विश्व मजदूर दिवस	1 मई
10.	मई दिवस	1 मई
11.	पोषक खाद्य सप्ता	1 मई से 7 मई
12.	विश्व पर्यावरण दिवस	5 जून
13.	वन महोत्सव सप्ता	1 जुलाई से 7 जुलाई
14.	परमाणु शस्त्र निरोधक आन्दोलन	6 अगस्त
15.	स्वतन्त्रता दिवस	15 अगस्त
16.	सद्भावना दिवस	20 अगस्त
17.	शिक्षक दिवस	5 सितम्बर
18.	अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस/सप्ताह	8 से 14 सितम्बर
19.	गांधी जयन्ती	2 अक्टूबर
20.	विश्व खाद्य दिवस	16 अक्टूबर

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

21. संयुक्त राष्ट्र खाद्य ..... 24 अक्टूबर
22. यातायात नियन्त्रण सप्ताह ..... 24 से 30 अक्टूबर
23. बचत दिवस ..... 31 अक्टूबर
24. राष्ट्रीय एकता दिवस ..... 31 अक्टूबर
25. बाल दिवस ..... 14 नवम्बर
26. मातृ दिवस ..... 19 नवम्बर
27. कौमी एकता सप्ताह ..... 19 से 25 नवम्बर
28. पर्यावरण चेतना माह ..... 19 नव. से 18 दिसम्बर
29. निर्बल वर्ग दिवस ..... 22 नवम्बर
30. अन्तर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस ..... 5 दिसम्बर
31. मानवाधिकार दिवस ..... 10 दिसम्बर

विश्वविद्यालय का नाम _____

कुलपति का नाम _____

कार्यक्रम समन्वयक का नाम _____

महाविद्यालय का नाम _____

प्राचार्य का नाम _____

कार्यक्रमाधिकारी का नाम _____

प्रेरक उद्‌बोधन

1. कश्मीर हो या कन्या कुमारी ।
   भारत माता एक हमारी ।।
2. मानव–मानव एक समान ।
   जांत पांत का मिटे निशान ।।
3. सूखी धरती करे पुकार ।
   वृक्ष लगाकर करो शृंगार ।।
4. शिक्षा से अन्याय मिटायें ।
   भाई–चारा खूब बढ़ायें ।।
5. पढ़ना लिखना है आसान,
   पढ़–लिखकर सब बनो महान ।।
6. भाषा वस्त्र, जाति अनेक ।
   एक हृदय है भारत देश ।।
7. अन्धकार को क्यों धिक्कारें ।
   अच्छा हो एक दीप जलायें ।।
8. जागे देश की क्या पहचान ।
   पढ़ा लिखा मजदूर किसान ।।
9. आओ सभी कर लें संकल्प ।
   पढ़ कर करलें काया कल्प
10. प्रौढ़ शिक्षा आई नई रोशनी लाई ।
11. पढ़ेंगे पढ़ायेंगे जीवन सुखी बनायेंगे।
12. पढ़ लो बहनों, पढ़े लो भाई ।
    पढ़ना लिखना है सुखदाई ।।

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

महत्त्वपूर्ण अनुभवों/गतिविधियों पर टिप्पणी

स्मरणीय

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

राष्ट्रीय एकता के गीत

नौजवान आओ रे

नौजवान आओ रे, नौजवान गाओ रे ।
लो कदम मिलाओ रे, लो कदम बढ़ाओ रे ।।

ऐ वतन के नौजवान, इस चमन के बागवान ।
एक साथ बढ़ चलो, मुश्किलों से लड़ चलो ।
इस महान देश को नया बनाओ रे ।।

नौजवान आओ रे.....

धर्म की दुहाइयाँ, प्रान्त की जुदाइयाँ ।
भाषा की लड़ाइयाँ, पाट दो ये खाइयाँ ।।
एक माँ के लाल सब, एक निशी उड़ाओ रे।।

नौजवान आओ रे.....

एक बनो, नेक बनो, खुद की भाग्यरेख बनो ।
सद्गुणों के तुम हो लाल, तुमसे ये जगत् निहाल ।
शान्ति की लिए मशाल, जहाँ को तुम जगाओ रे ।।

नौजवान आओ रे.....

माँ निहारती तुम्हें, माँ पुकारती तुम्हें ।
श्रम के गीत गाये जाओ, हँसते मुस्कराते जाओ ।
कोटि–कोटि कण्ठ मिल, एकता के गान गाओ रे।।

नौजवान आओ रे.....

मेरा भारत महान

है मेरा भारत महान,
इसमें जन्में लोग महान,
जिनके चिन्तन कर्म महान
मेरा प्यारा हिन्दुस्तान ।

सतयुग में जन्में हरिश्चन्द्र,
त्रेयता में थे आये राम ।
द्वापर युग में कृष्ण हुए थे,
आज मात्र गांधी का नाम ।

सागर इसके चरण हैं धोता,
गंगा सहलाती है शीश ।
हिमालय मुकुट बना है इसका,
ऋतुएँ देती हैं आशीष ।

चार आश्रम, छह दर्शन हैं,
ज्ञान पुंज हैं वेद चार ।
महाकाव्यों की अनन्त शृंखला,
सिखलाती आचार – विचार ।

लाल किला और कुतुबमीनार,
ताजमहल यमुना के पार ।
कहलाते भारत की शान,
मेरा प्यारा देश महान ।।

--स्मृति

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By : Registrar

सारे जहाँ से अच्छा.....

सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा हमारा ।
हम बुलबुले हैं इसकी ये गुलसितां हमारा हमारा ।।
परवत वो सबसे ऊँचा,हमसाया आसमाँ का ।
वो संतरी हमारा वो पासवाँ हमारा हमारा ।।
गोदी में खेलती है इसकी हजारों नदियाँ ।
गुलशन है जिनके दम से रश्के जिना हमारा हमारा ।।
मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना ।
हिन्दी हैं हम, हिन्दी हैं हम, हिन्दी हें हम(तीन बार) वतन है
हिन्दोस्ताँ हमारा हमारा ।

–वृक्षारोपण–

वृक्ष हमें हैं जीवन देते,
बदले में कुछ भी नहीं लेते ।
देते हरियाली और फल,
खिलते–बढ़ते हैं हर पल ।
गर्म धूप में जलकर स्वयं,
देते राहगीर को छाया ।
पाता है वो फल और ठण्डक,
पास में उनके जो भी आया ।
धरती माँ की यही पुकार,
वृक्षों से कर दो श्रृंगार ।
यदि नहीं करोगे वृक्षारोपण,
बिखर जायेगा पर्यावरण ।

राष्ट्र निर्माण

करें राष्ट्र निर्माण, बनायें मिट्टी से अब सोना ।
शस्य श्यामला सुजलां सुफलां धरती के हम वासी ।
फिर क्यों अपने महान देश की जनता रहे उपासी ।
अन्न–धान से भर दें, अपने घर का कोना–कोना ।।
करें राष्ट्र निर्माण————

गंगा जमुना यहाँ बहाती हैं अमृत की धारा ।
ब्रह्मपुत्र, कृष्णा, कावेरी जल है पय से प्यारा ।
पय की धारा से धरती का सूखा भाग भिगोना ।।
करें राष्ट्र निर्माण————

सागर हमको देता अपने दूत जलद गम्भीर ।
और हिमालय देता हमको शीतल मन्द समीर ।
गर्वोन्नत मस्तक कहता कभी न विचलित होना ।।
करें राष्ट्र निर्माण————

आज हमारे दिव्य देश में प्रजातन्त्र सुखदाई ।
प्रजातन्त्र का काम प्रजा की होती रहे भलाई ।
यहाँ एक ही घाट पियें जल सिंह और मृगछौना ।।
करें राष्ट्र निर्माण————

स्वप्न स्वर्ग का धरती पर उतरेगा श्रम के द्वारा ।
आज पसीने की बूँदों में छिपा भविष्य हमारा ।
अब आराम हराम राष्ट्र से दोह एक पल खोना ।।
करें राष्ट्र निर्माण————

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

राष्ट्रीय सेवा योजना गीत

राष्ट्रीय सेवा योजना नवयुग का संदेश है,
जगे गाँव और नगर जगे हैं, जागा सारा देश है ।
नई रोशनी नई दिशा है, सब कुछ नया नया सा है,
धरती करती तिलक गगन का झोंका नया हवा का है।।
कोटि कोटि बलिदानों से हमने आजादी पाई है ।
यह स्वराज्य होगा सुराज अब आज सजग तरुणाई है ।।

राष्ट्रीय सेवा योजना.....

प्रगति और परिवर्तन का एन.एस.एस. ने मंत्र दिया,
भारत माँ की सेवा का हम सबने यह संकल्प लिया ।।
नई सृष्टि की संरचना को युवा वर्ग ने जन्म दिया,
शिक्षा स्वास्थ्य और सह–विकास का हमने पथ प्रशस्त किया।।

राष्ट्रीय सेवा योजना.....

गाँव और नगर की दूरी, कम करके बतलाएँगे,
गांधी के सपनों को सचमुच सच करके दिखलायेंगे ।।
धर्म जाति भाषा के झगड़े हमको छू न पायेंगे,
भारत की सोने की चिड़िया फिर से हम बन बनायेंगे ।'

राष्ट्रीय सेवा योजना.....

सबका हित और सबका सुख एन.एस.एस. का नारा है।
चाहे जो हो जैसया भी हो भारत हमको प्यारा है ।
इसी देश में जीना मरना इसका वन्दन और नमन्,
इसकी उन्नति और विकास ही होगा अब अपना जीवन ।।

राष्ट्रीय सेवा योजना.....

–डॉ0 अजीत रायजादा

गीत

आओ जवान आओ
हमको जहाँ पुकारे
धरती पे हम बिछा दें
आकाश के सितारे,
राहों की सब चट्टानें
मिल जुल के तोड़ना है
मुस्कान की नदी को
दर–दर से जोड़ना है,
इंसान के लिए हो
इंसान के सहारे
आओ जवान आओ.....
आओ कि ताकतों की
टकराहटें मिटा दें
वहशत को खत्म करके
इंसानियत सजा दें।
वतनों के बीच खेलें
आपस के भाई चारे
आओ जवान आओ.....
जन–जन करें तरक्की
मन–मन दिये जला दें
पारस बने पसीना
ऐसा विकास ला दें ।
मेहनत के मन्दिरों से
अपना चलन सँवारें
आओ जवान आओ.....

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

रमेश यादव
उच्च शिक्षा (उ.प्र.)

हम होंगे कामयाब

हम होंगे कामयाब, हम होंगे कामयाब,
हम होंगे कामयाब, एक दिन।
ओ ! मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास,
हम होंगे कामयाब, एक दिन।

हम चलेंगे साथ साथ होंगे हाथों में हाथ,
हम चलेंगे साथ साथ एक दिन।
ओ ! मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास,
हम होंगे कामयाब, एक दिन।

होगी शान्ति चारों ओर, होगी शान्ति चारों ओर,
होगी शान्ति चारों ओर एक दिन।
ओ ! मन मैं विश्वास, पूरा है विश्वास,
हम होंगे कामयाब, एक दिन।

सत् से होंगे आजाद, सत् से होंगे आजाद,
सत् से होंगे आजाद, एक दिन ।
ओ ! मन में है विश्वास, पूरा है विश्व,स,
हम होंगे कामयाब, एक दिन।

हमें डर नहीं है आज, हमें डर नहीं है आज,
हमें डर नहीं है, आज के दिन ।
ओ ! मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास,
हम होंगे कामयाब, एक दिन।

वार्षिक मूल्यांकन

1. सत्र में किये गये कुल कार्य घंटो की संख्या
   निर्धारित कार्यक्रम.....
   विशेष कार्यक्रम.....
   .....
   योग.....
   पूर्व सत्र में किया कार्य.....
   महायोग.....
2. उपस्थिति.....
3. आचरण.....
4. प्रमाण पत्र हेतु संस्तुति.....
5. अन्य आवश्यक टिप्पणी.....

प्राचार्य **कार्यक्रम अधिकारी**

RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar